



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 292]
No. 292]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 15, 1978/ज्येष्ठ 25, 1900
NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 15, 1978/JYAISTHA 25, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 15 जून, 1978

का० आ० 383(अ) —अतः डाल्मियानगर स्थित मैसर्स अशोका सीमेंट लिमिटेड नामक औद्योगिक उपक्रम का सीमेंट एकक जिसे लाइसेंस पत्र संख्या 12/31/आई०-ए०(2)/54 दिनांक 10-12-1954 द्वारा तथा मण्डलित लाइसेंस संख्या एल०/12/16/54 दिनांक 1-7-1954 प्राप्त है और जिसमें मैसर्स राहतास इण्डस्ट्रीज लिमिटेड के साथ सहयोग बताया गया है, अनुसूचित उद्योग अर्थात् सीमेंट में मिला हुआ है।

और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में त्रिनिमित्त वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी होने की सम्भावना है जो विद्यमान आर्थिक वशाओं को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित नहीं है। और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त उद्योग उपक्रम का प्रबन्ध ऐसी नीति से किया जा रहा है जो अनुसूचित उद्योग तथा लोक हित में अत्यन्त अवायव्य है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों का पूरा-पूरा और संपूर्ण अन्वेषण करने के प्रयत्न के लिये व्यक्तियों के एक निकाय की नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्री एम० आर० खन्ना,
विकास अधिकारी,
नकलीकी विकास का महाविशेषाध्यक्ष,
नई दिल्ली।

—अध्यक्ष

2. श्री आर० रामानुजम,
अध्यक्ष सचिव,
उद्योग मंत्रालय,
नई दिल्ली।

—सदस्य

उक्त निकाय अपनी रिपोर्ट इस आदेश के प्रकाशन की तिथि से 2 महीने के अन्दर देगा।

[सं० 15/आई० डी० आर० ए०/78]

MINISTRY OF INDUSTRY
ORDER

New Delhi, the 15th June, 1978

S.O. 383 (E).—Whereas the cement unit of the industrial undertaking known as Messrs Ashoka Cement Limited, Dalmianagar Bihar, covered by Licence No. L/12/16/54 dated 1-7-1954 as amended by letter No. 12/31/IA(2)/54 dated 10-12-1954 and since stated to have been merged with Messrs. Rohtas Industries Limited, is engaged in a scheduled industry, namely, cement ;

And whereas the Central Government is of the opinion that there is likely to be a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification,

And whereas the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :

1. Shri S.R. Khanna, Development Officer
Directorate General of Technical Development, New Delhi. —Chairman
2. Shri R. Ramanujam, Under Secretary
Ministry of Industry, New Delhi. —Member

The above body shall submit its report within a period of two weeks from the date of issue of this order in the Official Gazette.

[No. 15/IDRA/78]

आदेश

नई दिल्ली, 15 जून, 1978

क्र० आ० 384(अ).— यमः डालमियानगर बिहार स्थित "मैसर्स रोहतास इण्डस्ट्रीज लिमिटेड", जिसे पञ्जीयन प्रमाण पत्र सं० आ०-12/6-आ०/35(1)6 दिनांक, 17-9-1952 प्राप्त है, अनुसूचित उद्योग प्रवर्ग सीमेंट में लगा हुआ है।

औरतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी होने की सम्भावना है जो विद्यमान आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापारिक नहीं है। और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त उद्योग उपक्रम का प्रयत्न ऐसी नीति में किया जा रहा है जो अनुसूचित उद्योग तथा लोकहित में अत्यन्त अपायकर है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों का पूरा-पूरा और संपूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिये व्यक्तियों के एक निकाय की नियुक्ति करती है, जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्री एस० आर० खन्ना,
विकास अधिकारी,
तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
नई दिल्ली।

—अध्यक्ष

2. श्री आर० रामानुजम,
अवर सचिव,
उद्योग मंत्रालय,
नई दिल्ली।

—सदस्य

उक्त निकाय अपनी रिपोर्ट इस आदेश के प्रकाशन की तिथि से 2 सप्ताह के अन्दर देगा।

[सं० 15/आई० जी० आर० ए०/78]

पी० सी० नायक, संयुक्त सचिव।

ORDER

New Delhi, 15th June, 1978

S.O. 384(E).—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Rohtas Industries Limited, Dalmiana gar, Bihar, covered by Registration No. R-12/6 - dated 17-9-1952 is engaged in a scheduled industry, namely, cement;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there is likely to be a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of :—

1. Shri S.R. Khanna, Development Officer,
Directorate General of Technical Development, New Delhi —Chairman
2. Shri R. Ramanujam Under, Secretary,
Ministry of Industry, New Delhi — Member

2. The above body shall submit its report within a period of two weeks from the date of issue of this order in the Official Gazette.

[No. 15/IDRA/78]

P.C. NAYAK,
Jt. Secy.